"मात्राओं की रेल – पढ़ाई बने खेल!

अ ऋ ए ई ऊ औ

मात्रा गीत

देखो चली मात्रा की रेल,
बच्चों को दे रही है मेल।
स्वर और व्यंजन साथ में आए,
ज्ञान की बारिश है बरसाएँ।।
अ से अनार, आ से आम
इ से इमली, ई से ईख।
उ से उल्लू, ऊ से ऊन,
ऋ से ऋषि, ए से एक।।
ऐ से ऐड़ी, ओ से ओखली
औ से औरत, अं से अंगूर,
अः से अहा,
स्वरों ने कर दिया वाह वाह।।
देखो देखो मात्रा रेल,
ज्ञान भी है इसमें खेल।
हँसते-गाते सीखो प्यारे,
मात्राओं के गीत हमारे।।
कु छु छुक छु छुक छु छुक....

इसके पश्चात, NEP द्वारा मात्रा कार्यक्रम में सिखाया गया,
मात्रा नृत्य विद्यार्थियों को सिखाया जाएगा।